मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKG–176

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (ऑनर्स)

संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.जी.–176 : भारतीय सामाजिक विचारधारा में व्यक्ति, परिवार और समाज

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—I

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

$4 \times 20 = 80$

(i) गीता के अनुसार व्यक्ति के स्वरूप का विस्तृत विवेचन कीजिए।

(ii) त्रिविध गुणों एवं उनका व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डालिए।

(iii) संस्कारों से समाज में उन्नति किस प्रकार संभव है? स्पष्ट कीजिए।

(iv) सामनस्य सूक्त के आधार पर परिवार के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(v) संस्कृत साहित्य में मनुष्य और प्रकृति की एकरूपता को सविस्तार बताइए।

(vi) गीता में प्रतिपादित दान के प्रकार एवं उसके फल को बताते हुए दान के वैज्ञानिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—II

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(i) पञ्चमहायज्ञ

(ii) रामायणकालीन परिवार का वर्गीकरण

(iii) विवाह एवं उसके प्रकार

(iv) पुरुषार्थ चतुष्ट्य

× × × × ×